BA (Pt. - II) Code: PQRS Printed Page: 4

B. A (Gen.) PART- II EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

SANSKRIT

Paper – I (SKT\201)

संस्कृत साहित्य : I

(नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास)

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed: 3 Hours **Max. Marks: 100**

Note – Each paper will be divided into THREE parts.

Part A

In this section TEN questions are to be set taking at least two questions from each Unit. (i.e. from Unit I to V) Each question will be of short answer type not exceeding 50 words. The candidate required to attempt all questions. each question are equal marks (i.e 10 X 2= 20)

अतिलघूत्तरप्रश्नानि

1. अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके कति अंकानि सन्ति?
2. 'शमप्रधानेषु तपोधनेषु गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः' कस्य कथनं अस्ति?
3. शाकुन्तलायाः मुद्रिका कस्मिन् तीर्थे न्यपतत्?
4. शकुन्तलायाः पुत्रः कः नाम आसीत्?
5. अनुष्टुप् छंदस्य प्रतिचरणे कति वर्णानि सन्ति?
6. उपजाति छंदे कयोः द्वयोः छंदयोः मिश्रणं जातम्?
7. यमकालंकारस्य उदाहरणं लिखत?
8. उपमानात् उपमेस्य आधिक्यकथनेन को नाम अलंकारः संलक्ष्यते?
9. भारवेः महाकाव्यस्य नाम किम्?
10. भर्तृहरेः कृतस्य शतकत्रयस्य नामोल्लेखं कुरुत?

Part B

In this section TEN questions are to be set taking at least one question from each Unit. (i.e. from Unit I to V). The candidate will required to attempt any FIVE questions out of Ten (10) questions. The answer of each will not exceed 200 words. each question are equal marks (i.e 5 X 10 = 50)

1. अधोलिखितस्य श्लोकस्य सप्रसंग व्याख्या कार्या–

सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्केनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

2. अधोलिखितस्य श्लोकस्य सप्रसंग व्याख्या कार्या–

यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया,
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडंदर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।।

3. अधोलिखितश्लोकस्य सप्रसंग व्याख्या कार्या–

भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैः–
र्नवाम्बुभि र्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

4. अधोलिखितश्लोकस्य सप्रसंगव्याख्या कार्या–

सिध्यन्ति कर्मसु महत्स्वपि यन्नियोज्याः
संभावनागुणमवेहि तमीश्वराणाम्।
किं वाऽभविष्यदरुणस्तमसां विभेत्ता
तं चेत् सहस्रकिरणो धुरि नाकरिष्यत्।।

5. अधोलिखितेषु द्वयोः छंदयोः लक्षणं उदाहरणं च लिखन्तु

(i) वसन्ततिलका
(ii) मालिनी
(iii) मन्दाक्रान्ता
(iv) शिखरणी

6. अधोलिखितेषु द्वयोः छंदयोः लक्षणं सोदाहरणं लिखन्तु

(i) स्रग्धरा
(ii) शार्दूलविक्रिडितम्
(iii) द्रुतविलम्बितम्
(iv) इन्द्रवज्रा

7. अधोलिखितेषु द्वयोः अलंकारयोः लक्षणं उदाहरणं च प्रतिपादयन्तु
   (i) अनुप्रासः
   (ii) उपमा
   (iii) अतिश्योक्तिः
   (iv) अर्थान्तरन्यासः
8. अधोलिखितेषु द्वयोः अलंकारयोः लक्षणमुदाहरणञ्च दीयताम्
   (i) रूपकः
   (ii) दीपकम्
   (iii) निदर्शना
   (iv) विशेषोक्तिः
9. निम्नविषयेषु कयोश्चित् द्वयोः टिप्पणीं लिखन्तु
   (i) शिशुपालवधम्
   (ii) कादम्बरी
   (iii) शिवराजविजयम्
   (iv) रघुवंशम्
10. अधोलिखितानां केषाञ्चित् दशवाक्यानाम् संस्कृतभाषायां अनुवादः करणीयः
   1. नगर के पास एक सुन्दर उद्यान है।
   2. गंगा के किनारे हरिद्वार है।
   3. बालक गेंद से खेलता है।
   4. विद्या से यश मिलता है।
   5. पढ़ने के लिए जाता है।
   6. सिंह से डरता है।
   7. वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।
   8. कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है।
   9. राम के साथ सीता भी जाती है।
   10. वह आँख से काणा है।
   11. कृष्ण राम से अधिक चतुर है।
   12. राम गाय से दूध दुहता है।
   13. वह उपाध्याय से पढ़ता है।
   14. हितकारी और मनोहारी वचन दुर्लभ है।
   15. वह गाँव जाते हुए तिनके को छूता है।

Part C

In this section FOUR questions are to be set taking at least one question from each Unit (i.e. from Unit I to V). Each question may have sub part in it. The candidate will be required to attempt any TWO questions out of three questions. The answer of each question will not exceed 300 words. each question are equal marks (i.e 2 X 15 = 30)

अधोलिखितेषु द्वयोः विवेचनीयम्

1. शकुन्तलायाः चरित्र–चित्रणं लिख्यताम्।

2. अभिज्ञानशाकुन्तलमधिकृत्य कालिदासस्य प्रकृति–चित्रणं लिखन्तु।

3. 'भारवेरर्थगौरवम्' उक्त्याः सोदाहरणम् विवेच्यताम्।

4. रामायणस्य रचनाकालं प्रतिपादयन् तस्यवैशिष्ट्यं वर्णयन्तु।

BA (Pt. - II) Code: PQRS Printed Page: 4

B. A (Gen.) PART- II EXAMINATION, 2024

SANSKRIT

Paper – II (SKT/202)

LIBRARY COPY

संस्कृत साहित्य : II

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve ~~ALL~~ 10/15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

Q. 1 संस्कृति शब्द की व्युत्पति बताइये ।

Q. 2 वर्ण कितने हैं ? नाम बताइये ।

Q. 3 ...प्राचीन .भारत के शिक्षा केन्दों में से किन्हीं दो के नाम बताइये ।

Q. 4 आचार्य मनु ने संस्कारो की संख्या कितनी बताई है ?

Q. 5 पुरुषार्थ चतुष्टय क्या है ?

Q. 6 नित्य अभिवादनशील तथा वृधोपसेवी को क्या क्या लाभ होते है ? .

Q. 7 सुप् प्रत्यय कितने हैं ?

Q. 8 .अमिपूर्वः सूत्र की व्याख्या कीजिये ।

Q. 9 .अदस् शब्द पूल्लिग तृतीया विभक्ति के रुप लिखिये.. ।

Q10....राजन् शब्द द्वितीया विभक्ति के रुप लिखिये ।

Q. 11 .. स्था धातु लृट् लकार उत्तम पुरुष का रुप लिखिये ।

Q12 भी.. धातु लोट् लकार प्रथम पुरुष का रुप लिखिये ।

Q. 13 गांव के चारों और जंगल हैं का संस्कृत में अनुवाद कीजिये ।

Q. 14 ...वहां कौन कौन सी.. पुस्तकें हैं का संस्कृत में अनुवाद कीजिये ।

Q. 15 हम सब को परोपकार करना चाहिये......का संस्कृत में अनुवाद... कीजिये ।

Part B

In this section FIVE questions are to be set taking atleast one question from each Unit. (i.e. from Unit I to V). The candidate will required to attempt any THREE questions out of five questions. The answer of each will not exceed 250 words. each qiestion are equal marks

(i.e 5 X 10 = 50)

Q. 1 प्राचीन भारत में प्रचलित आश्रम व्यवस्था पर एक लेख लिखिये ।

अथवा

प्राचीन भारतीय में प्रचलित शिक्षा व्यवस्था पर एक लेख लिखिये ।

Q 2 अधोलिखित श्लोकों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये

(क) वेद :स्मृति : सदाचार : स्वस्य च प्रियमात्मन :।

एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ।

(ख) शर्मवद्ब्राह्मणस्य स्याद्राज्ञोरक्षासमन्वितम् ।

वैश्स्य पुष्टिसंयुक्तं शूद्रस्य प्रेष्यसंयुतम् ।।

Q 3 निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये

(क) बह्मारम्भेऽवसाने च पादौ ग्राह्यौ गुरो सदा।

संहत्य हस्तावध्येयं स हि बह्मात्र्जलि स्मृत ।।

(ख) नैत्यके नास्त्यनध्यायोबह्मसत्रंहितत्स्मृतम् ।

बह्माहुतिहुतुं पुण्यमनध्यायनषट्कृतम् ।।

Q 4 निम्न में से किन्ही दो शब्दों की सिद्धि कीजिये ।

1 राम: 2 सर्वो 3 निर्जरा: 4 सखाय:

...Q 5.........निम्न शब्द रुपों के विभक्ति वचन व लिङ्ग बताइये।

1 अमुम् अमु अमून्

2 राजानम् राजानौ राज्ञ :

3 करिणा करिभ्याम् करिभि :

4 विदुष विदुषो विदुषाम्

5 मधु मधुनी मधूनि

6 अमुष्याम् अमुयो : अमूषु

7 विदुषि विदुषो : विदुषाम्

8 गुरो : गुर्वो : गुरुणाम्

9 भगवता भगवद्भ्याम् भगवद्भि

10 अद : अम् अमूनि

The answer of each question will not exceed 300 words. each qiestion are equal marks (i.e 2 X 15 = 30)

Q. 1 संस्कृति शब्द को परिभाषित करते हुए भारतीय संस्कृति की विशेषताएं बताइये ।

अथवा

मनुस्मृति...के अनुसार ब्रह्मचारी के कर्तव्यों पर प्रकाश डालिये ।

Q. 2(क)निम्नलिखित पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

1 विरामोऽवसानम् 2 प्रथमयो : पूर्व सवर्ण : 3 चुटू

4 इदुदभ्याम् 5 लशक्वततद्धिते 6 सर्वनाम्न: स्मै

7 यचिभम 8 न लोप: प्रातिपदिकान्तस्य 9 ऋत उत् 10 आङि चाप:

.. (ख...)......निम्न धातु रुपों में से किन्हीं पांच धातुओं के लकार तथा पुरुष बताइये ।

.1 ब्रु धातु लट ,लकार प्रथम पुरुष

2 दुह धातु ... लोट् लकार मध्यम पुरुष

...3.........चुर् धातु...... लोङ लकार प्रथम पुरुष

......4........स्था धातु...... लट् लकार उत्तम पुरुष

.......5........हन् धातु...... लट् लकार प्रथम पुरुष

.........6........श्रु धातु...... लोट् लकार प्रथम पुरुष

...........7.......भी धातु...... लृट् लकार उत्तम पुरुष

.............8.......चिंत् धातु...... लङ् लकार प्रथम पुरुष

...........9.......ग्रह धातु...... लोट् लकार प्रथम पुरुष

..........10....चि धातु...... लट् लकार प्रथम पुरुष

SHASTRI/B. A. PART- II EXAMINATION, 2024

हिन्दी साहित्य

LIBRARY COPY

PAPER – (HIN/2103)

हिन्दी साहित्य – I

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

प्रशन–1 अति लघुतरात्मक प्रशन पत्र कुल 15 प्रशनों में से किसी 10 के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है 10*2=20

1. रीतिकालिन ग्रन्थ "भाषा– भूषण" के लेखक कौन है।
2. प्रस्तुत पंक्ति किस आचार्य की है "रीतिरात्मा काव्यस्य" ।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार रीति काल का प्रवर्तक कौन है।
4. रीतिकाल में रीति सिद्व कवि किसे कहा जाता है।
5. रीतिकाल के कवियों को देखकर लगता है कि इनके सामने कोई सामाजिक समस्या थी ही नहीं यह कथन किसका है।
6. रीतिकाल के कवियों की भाषा बताईये।
7. कवि देव का पूरा नाम क्या है।
8. प्रेम की पीड का रीतिकालिन कवि कौन है।
9. कवि भूषण को भूषण की उपाधि किसने दी।
10. कवि आलम का वास्तविक नाम क्या था।
11. रीतिकाल का कौनसा कवि प्रकृति चित्रण का कवि माना जाता है।
12. कवि सेनापति की प्रमुख रचना का नाम बताईये।
13. कवि घनान्द ने वृन्दावन आकर किस सम्प्रदाय में दीक्षा प्राप्त की।
14. कवि भूषण किस रचना में अलंकार शास्त्र का वर्णन है।
15. रीतिकाल को 'श्रृगांर काल' का नाम किसने दिया।

प्रशन–2 निम्नलिखित पदो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। शब्द सीमा 150 से 200 शब्द तक

(अ) मेरी भव बाधा, हरो, राधा नागरि सोय।
जा तन की झॉई परै, स्यामु हरित दुति होय।। अंक–20

(अथवा)

भोग में रोग वियोग संयोग में, योग में काय – कलेस कमायो।
त्यों 'पद्माकर' बेद पुरान पढ़यों, पढ़ि कै बहु बाद बढ़ायो।।
दूनी दुरास में दास भयो, पै कहूँ विसराम को धाम न पायो।
कायो गमायो सु देस ही जीवन, हाय मै राम को नाम न गायो।।

(ब) त्रिभुवन भहि परसिद्व इक्क अरि –बल–वह खंडिय। अंक–20
यह अनेक अरिबल बिहंड़ि रन मंडल मंडिय।।
भूषन वह रितु एक पुहवि पानिपहि बढ़ावत।
यह छहुँ रितु निस –दिन अपार पानिप अधिकावत।।

(अथवा)

अति सूधों सनेह को मारग है, जहॉ नेकु सयांनप बॉक नहीं।
तहॉ सांचे चलै तजि आपनपौं, झिझकै कपटी ने निसॉक नहीं।।
घनआनन्द प्यारे सुजान सुनौ, यहॉ एक तै दूसरो ऑक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला, मन लेहु पै देहु छटॉक नहीं।।

(स) बिहारी श्रृंगार, प्रेम, और नीति के सिद्वहस्त कवि माने जाते है उदाहरण सहित स्पष्ठ कीजिए। अंक– 10

(अथवा)

रीति मुक्त काव्य धारा में घनान्दं के स्थान को निर्धारित कीजिए।

प्रशन–3 निम्बन्धात्मक प्रशनों में से कोई दो का उतर दीजिए। शब्द सीमा 300 से अधिक अंक– **15*2- 30**

1. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियों ,काव्य, धाराओं के साथ उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए,।
2. हिन्दी के राष्ट्रीय विचारधारा के कवियों में भूषण का स्थान अन्नतमय है इस कथन की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए।
3. घनानन्द की भाषा हर जगह भावों से बोझिल है इस कथन के आलौक में घनानन्द का स्थान निर्धारित कीजिए।
4. केशव को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है पठित पदो के आधार पर- इस कथन की समिक्षा कीजिए।

SHASTRI/B. A. PART- II EXAMINATION, 2024

हिन्दी साहित्य

LIBRARY COPY

PAPER – (HIN/2104)

हिन्दी साहित्य–II

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

खण्ड - 'अ'

अतिलघुत्तरामक प्रश्न

प्रश्न 1.निम्न में से किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (शव्द सीमा:- 30शब्द)

सभी प्रश्नों के अंक समान है। 10×2=20

i. पंच परमेश्वर किस विधा की रचना है ? इसके रचनाकार का नाम लिखिए।

ii. ' हार की जीत' कहानी के लेखक कौन है?

iii. 'बेढब बनारसी' का वास्तविक नाम क्या है?

iv. ' मेरी जन्मभूमि' निबंध में किस गाँव का वर्णन किया गया है?

v. 'कबीर साहब से भेंट' के रचयिता कौन हैं? यह किस विधा की रचना है ?

vi. विष्णु प्रभाकर प्रणीत कौनसी एकांकी पाठ्यक्रम में संकलित की गई है ?

vii. 'यात्रा का रोमांस' यात्रा वृतांत के अनुसार 'यायावर' कौन है?

viii. कफन कहानी के पात्रों के नाम लिखिए।

ix.आकाशदीप कहानी किसकी रचना है? इसकी नायिका का नाम लिखिए।

x. 'दुखवा मैं कासो कहुँ मोरी सजनी' किसकी कहानी है?

xi. पाजेब कहानी का मूल कथ्य क्या है?

Xii. गदल कहानी के मुख्य पात्र का नाम लिखते हुए उसकी दो चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

xiii. 'तीसरी कसम' कहानी के रचनाकार का नाम तथा इसके प्रमुख पात्र के बारे में बताइए।

xiv. जयशंकर प्रसाद के प्रमुख कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।

xv. द्विवेदी युग के प्रमुख निबन्धकारों के नाम लिखिए |

खण्ड - 'ब'

प्रश्न 2. लघुत्तरात्मक/ व्याख्यात्मक प्रश्न (शब्द सीमा- 150-200 शब्द)

निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 10×3=30

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

कुछ वस्तुएँ परमात्मा स्वयं बनाता है और कुछ जब काम की अधि कता होती है, तब ठेके पर भी बनवा लेता है। बनारसी एक्का परमात्मा मे अपने हाथों गढ़ा है। एक और बात है, विधना का कुछ ऐसा विकट विधान है कि जिस शब्द के आगे बनारसी शब्द लग जाये, उस जोड़ की दूसरी वस्तु स्वर्ग, नरक और संसार में मिलना कठिन है।

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

यायावर की खोज, उसकी अस्थिरता, अपने में ही एक सिद्धि है। क्योंकि गति का हर क्षण उसे रोमांचित करता है। यात्रा की थकान और बाधाओं में उसे सुख मिलता है। वास्तव में रास्ते की थकान और बाधाएँ ही तो यात्रा को यात्रा बनाती हैं। जहाँ बाधा नहीं है, कुछ अज्ञात और शंकास्पद नहीं है, सब निश्चित, आयोजित और सुरक्षित है, उस यात्रा को यात्रा कहा जाये, या घर का ही एक चलता-फिरता संस्करण ?

(ग). सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

वह स्वप्नों की रंगीन सन्ध्या, तम से अपनी आँखें बन्द करने लगी थी। दीर्घ निश्वास लेकर महानाविक ने कहा- "इस जीवन की पुण्यतम घड़ी की स्मृति में एक प्रकाश-गृह बनाऊँगा, चंपा ! चंपा यहीं उस पहाड़ी पर। सम्भव है कि मेरे जीवन की धुंधली सन्ध्या उससे आलोकपूर्ण हो जाए। "

(घ) "पाजेब' कहानी में बाल-मनोविज्ञान का सजीव परिचय मिलता है। इस कथन पर प्रकाश डालिए।

(ङ) आत्मकथा,संस्मरण एवं जीवनी में अंतर परिभाषित कीजिए।

खण्ड – 'स'

प्रश्न 3.निबंधात्मक प्रश्न (शब्द सीमा- 300 शब्द) 15×2=30

(अ)कहानी के तत्वों के आधार पर 'कफ़न' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'पंचपरमेश्वर' निवंध में व्यक्त विचारों को सोदाहरण व्यक्त कीजिए।

(ब) हिंदी कहानी की विकास यात्रा पर एक लेख लिखिए।

अथवा

'ललित निबंध' को समझाते हुए निवंध के विभिन्न भेदों को स्पष्ट कीजिए।

BA (Pt. - II) Code: PQRS Printed Page: 2

B. A (Gen.) PART- II EXAMINATION, 2024

पुराणेतिहास

Paper – II (PHI / 202)

पुराणेतिहासः - II

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

इस खण्ड मेंप्रत्येकइकाईसेकमसेकमदोप्रश्नलेतेहुएकुल दसप्रश्नों के उत्तर दीजिए (अर्थातइकाई I से V तक) प्रत्येकप्रश्नलघुउत्तरप्रकारकाहोगा, जो 50 शब्दोंसेअधिकनहींहोगा।अभ्यर्थीकोसभीप्रश्नहलकरनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्नसमानअंककाहै–

Q.1 सुन्दरकाण्ड में कितने सर्ग हैं ?

Q.2 रामायण के रचयिता का नाम क्या है ?

Q.3 "शुश्राव ब्रह्मघोषान् स विरात्रे ब्रह्मरक्षसाम्" पंक्ति में ब्रह्मघोष शब्द का अर्थ क्या है ?

Q.4 लङ्का में सीता किस वाटिका में रह रही थी ?

Q.5 रावण के पिता का नाम क्या था ?

Q.6 "शक्या लोभयितुं नाहमैश्वर्येण धनेन वा" यह उक्ति किसकी है ?

Q.7 विशाललोचने! विशेषण किसके लिये प्रयुक्त हुआ है ?

Q.8 रावण के पिता का नाम क्या था ?

Q.9 पुराण कितने हैं ?

Q.10 पुराणों के लेखक कौन हैं ?

Q.11 विष्णुपुराण में कुल कितने अध्याय हैं ?

Q.12 विष्णुपुराण में मुख्यतः किसका वर्णन प्राप्त होता है ?

Q.13 मैत्रेय के गुरूजी का क्या नाम है ?

Q.14 त्वतो हि वेदाध्ययनमधीतमखिलं गुरो। धर्मशास्त्राणि सर्वाणि तथाङ्गानि यथा क्रमम्।।श्लोक का वक्ता कौन है ?

Q.15 एक मुहूर्त में कितनी कला होती है ?

Part B

The candidate will have to solve any 5 questions out of 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) (5 x 10 = 50)

इसखंडमेंप्रत्येकइकाईसेकमसेकमएकप्रश्नलेतेहुएकुलदसप्रश्ननिर्धारितकिएजानेहैं। (अर्थात्इकाई ।से V तक)।उम्मीदवारकोदस (10) प्रश्नोंमेंसेकिन्हींपांचप्रश्नोंकाउत्तरदेनाहोगा।प्रत्येककाउत्तर150-200शब्दोंसेअधिकनहींहोगा।प्रत्येकप्रश्नकेअंकसमानहैं–

Q.1 सुन्दरकाण्ड के 38वें अथवा 40वें सर्ग का सारांश लिखिये।

Q.2 षडङ्गवेदविदुषां क्रतुप्रवरयाजिनाम्। शुश्राव ब्रह्मघोषान् स विरात्रे ब्रह्मरक्षसाम्।। उक्त श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए।

Q.3 अशोकवाटिका का प्राकृतिक वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

Q.4 अशोकवाटिका में स्थित सीता की अवस्था का वर्णन कीजिए।

Q.5 हनुमान के द्वारा वर्णित श्रीराम के सीता विषयक प्रेम–प्रसङ्ग का वर्णन लिखिए।

Q.6 विष्णुपुराण के प्रथम अध्याय के विषय का संक्षेप में वर्णन करें।

Q.7 विष्णुपुराण के तृतीय अध्याय के आधार पर महर्षि पराशर और मैत्रेय के मध्य हुई वार्ता की समीक्षा कीजिए।

Q.8 अविकाराय शुद्धाय नित्याय परमात्मने। सदैक रूपरूपाय विष्णवे सर्वजिष्णवे।उक्त श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

Q.9 महर्षि पराशर का जीवन परिचय लिखिए।

Q.10 निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखिए –

1. सोऽहमिच्छामि धर्मज्ञ श्रोतुं त्वत्तो यथा जगत्।बभूव भूयश्च यथा महाभाग भविष्यति।।
2. नमो हिरण्यगर्भाय हरये शङ्कराय च।वासुदेवाय ताराय सर्गस्थित्यन्तकारिणे।।

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) (2 x 15 = 30)

इसखंडमेंप्रत्येकइकाईसेकमसेकमएकप्रश्नलेतेहुएचारप्रश्ननिर्धारितकिएजानेहैं।प्रत्येकप्रश्नमेंउपभागहोसकतेहैं।अभ्यर्थीकोतीनप्रश्नोंमेंसेकिन्हींदोप्रश्नोंकाउत्तरदेनाहोगा।प्रत्येकप्रश्नकाउत्तर 300 शब्दोंसेअधिकनहींहोगा।प्रत्येकप्रश्नकेअंकसमानहैं–

Q.1 सीता और हनुमान का समालोचनात्मक संवाद प्रस्तुत कीजिए।

Q.2 सुन्दरकाण्ड के अनुसार हनुमान का चरित्र–चित्रण लिखिए।

Q.3 विष्णुपुराण के द्वितीय तथा तृतीय अध्याय की तुलनात्मक समालोचना प्रस्तुत करें।

Q.4 विष्णुपुराण के द्वितीय तथा तृतीय अध्याय की तुलनात्मक समालोचना प्रस्तुत करें।

****